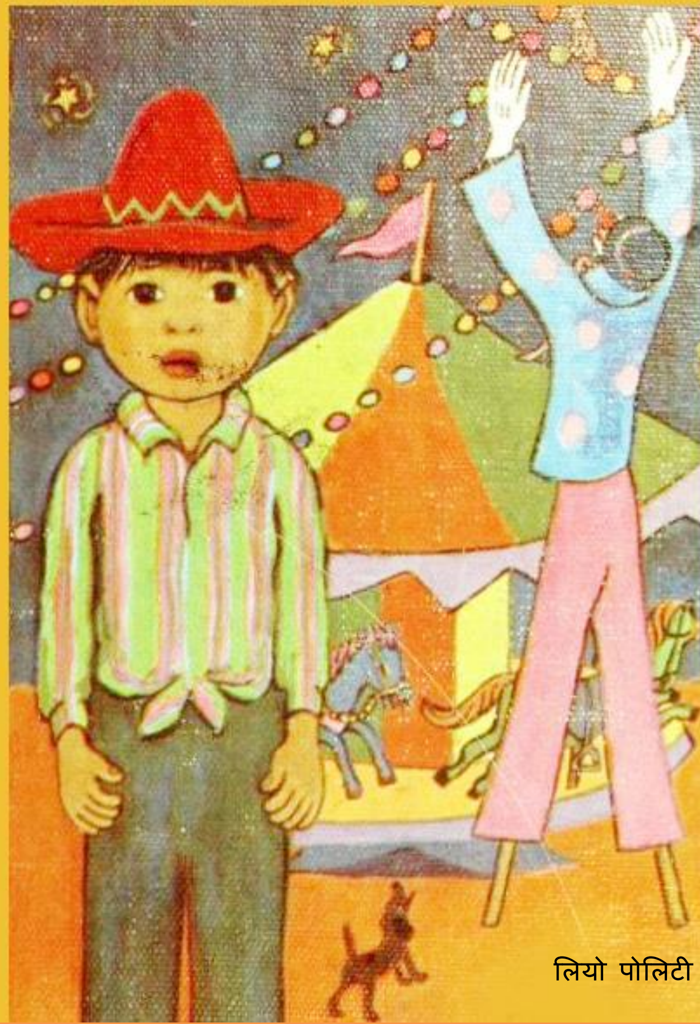
लिटो और जोकर

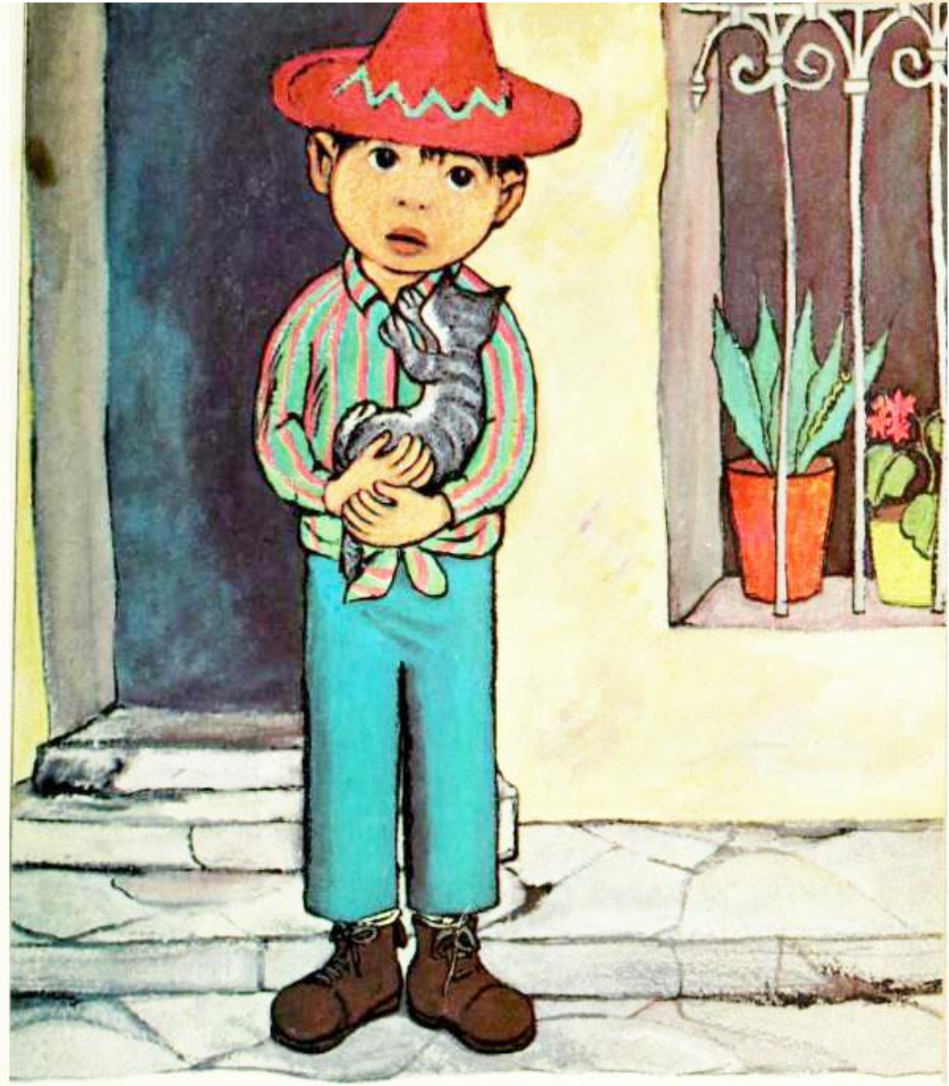


लियो पोलिटी

लिटो और जोकर



लियो पोलिटी



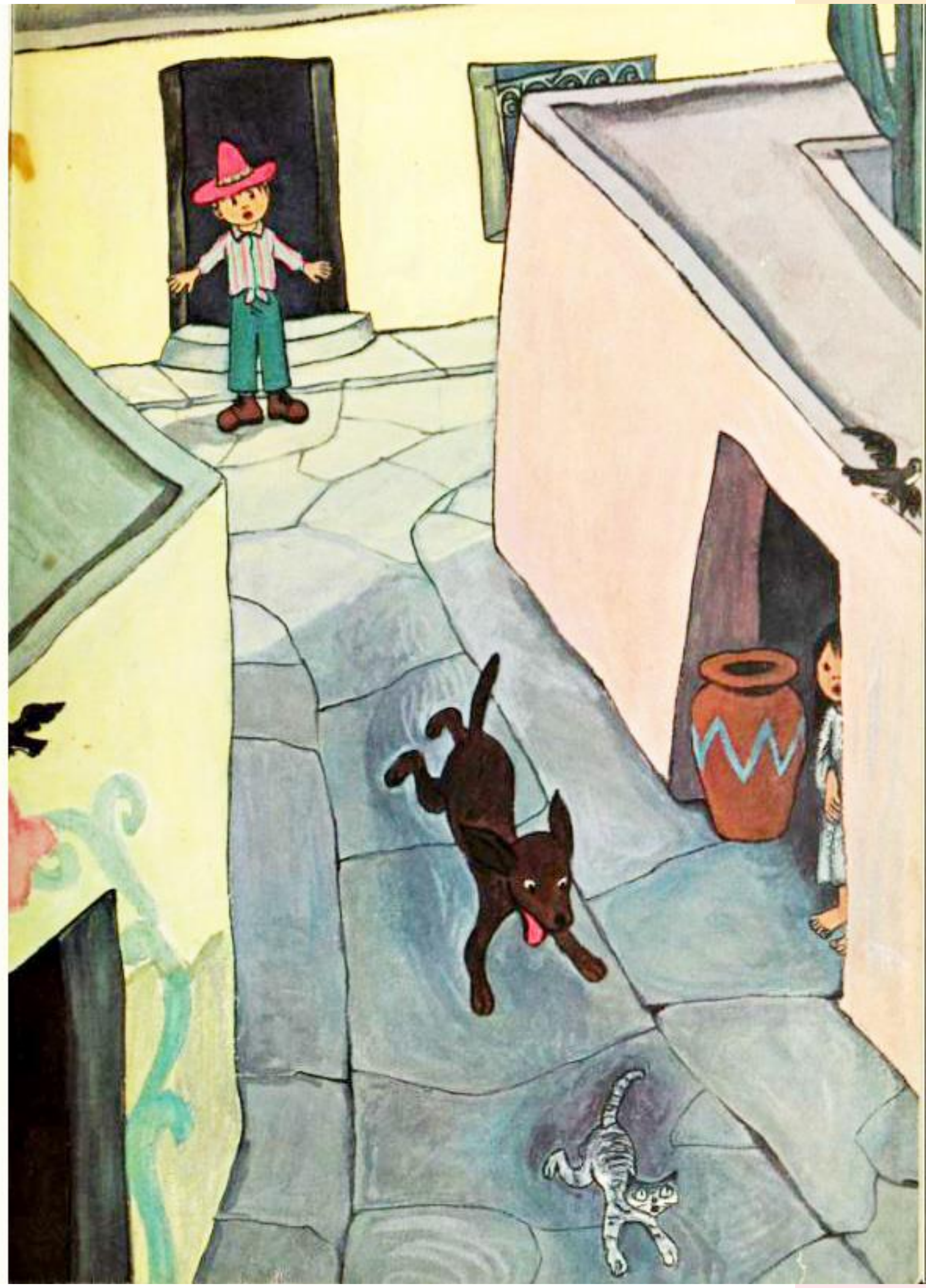
लिटो मेक्सिको के एक छोटे से शहर में रहता था.

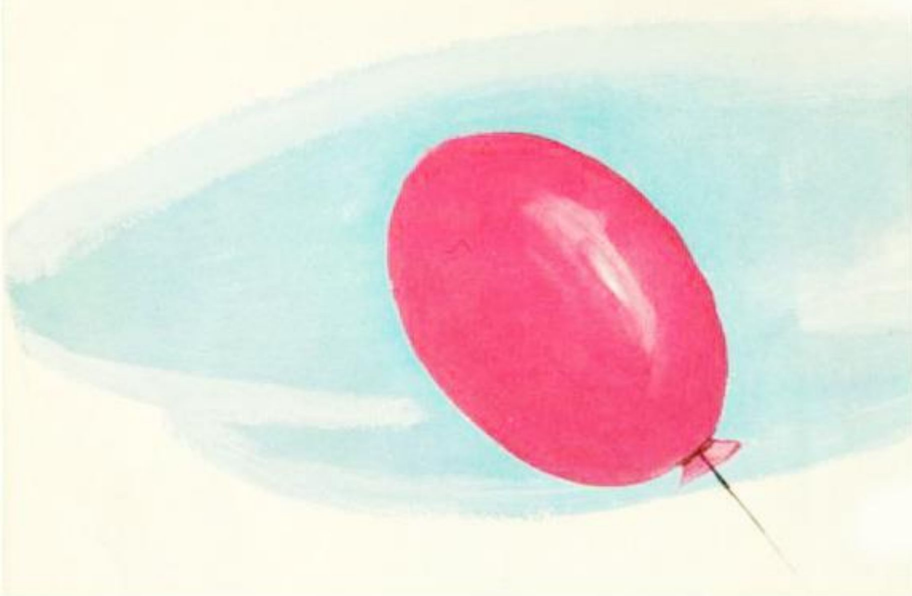
उसका घर एक संकरी गली में था.

लिटो का पसंदीदा दोस्त एक बिल्ली का बच्चा था जो उसकी मां ने उसे दिया था. उसके बिल्ली के बच्चे का नाम पक्विता था. लिटो उसे किसी भी अन्य चीज़ से ज्यादा प्यार करता था.

एक दिन, जब लिटो और पक्विता खेल रहे थे, तब एक आवारा कुत्ता आया. कुत्ते ने पक्विता को देखा तो वो ज़ोर से भौंका. बेचारा बिल्ली का बच्चा डर गया और वो लिटो की बाहों से कूदकर सड़क पर भाग गया. कुत्ता उसके पीछे-पीछे दौड़ा. जल्द ही वे दोनों नजरों से ओझल हो गए.

मां ने लिटो की पाक्विता को खोजने में मदद की. उन्होंने हर जगह खोजा लेकिन वे बिल्ली के बच्चे को कहीं नहीं ढूंढ पाए. उससे लिटो बहुत दुखी हुआ. मां ने उसे बहुत दिलासा देने की कोशिश की. "दुखी मत हो, लिटो," माँ ने कहा. "किसी तरह हम तुम्हारा बिल्ली का बच्चा ढूंढ लेंगे."





अगले दिन शहर शोर और उत्साह से भर गया. पायको जोकर, ऊंचे बांस के स्टिल्ट पर चढ़कर मेले के आगमन की घोषणा करने के लिए सड़कों पर घूमता हुआ आया.

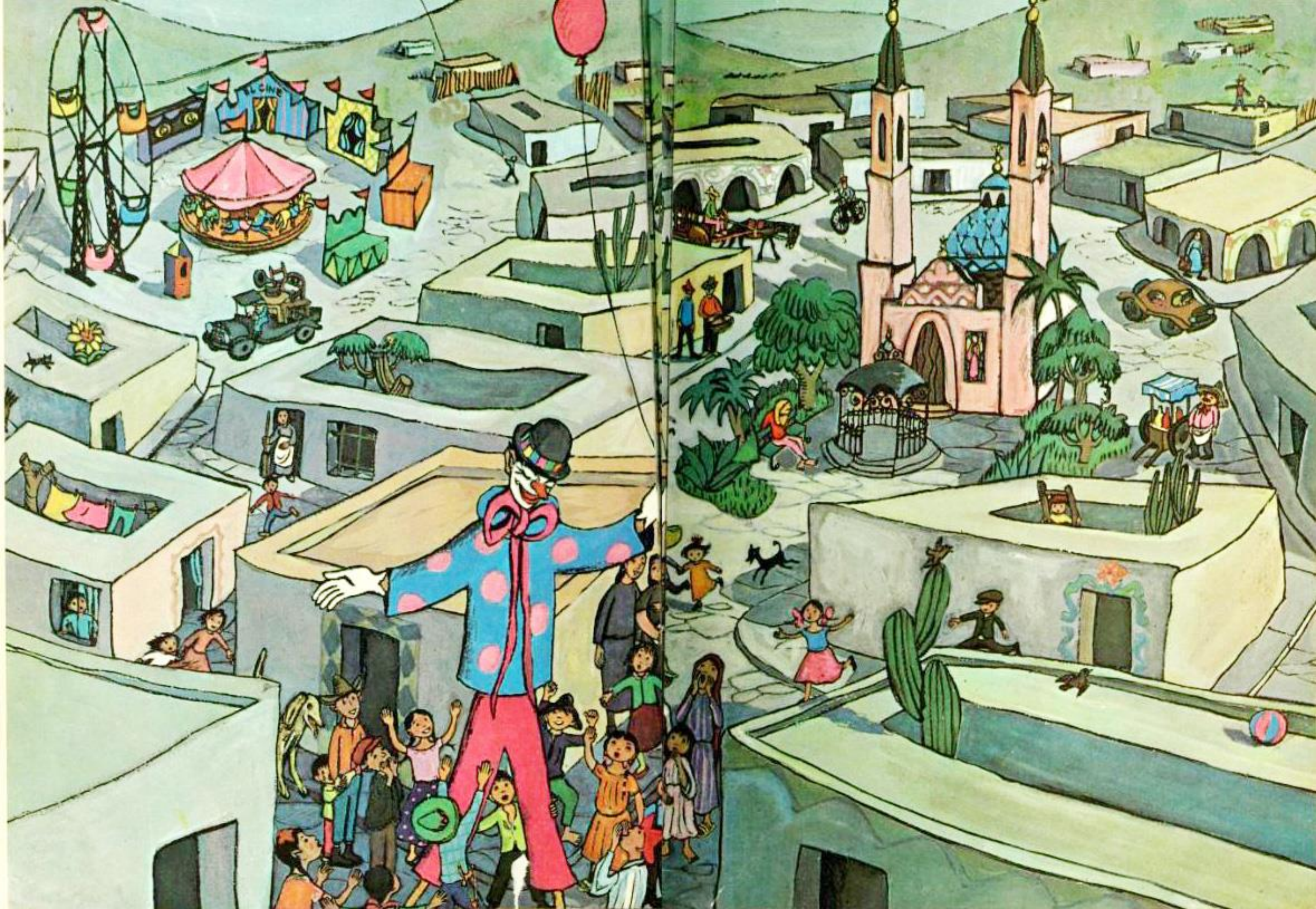
क्योंकि शहर में बने सभी घर एक मंज़िल के थे, इसलिए पायको सभी छतों से ऊंचा था. वो इतना ऊँचा था कि दूर-दूर के लोग भी उसे देख सकते थे. केवल शहर का गिरजाघर ही पायको से ऊंचा था.

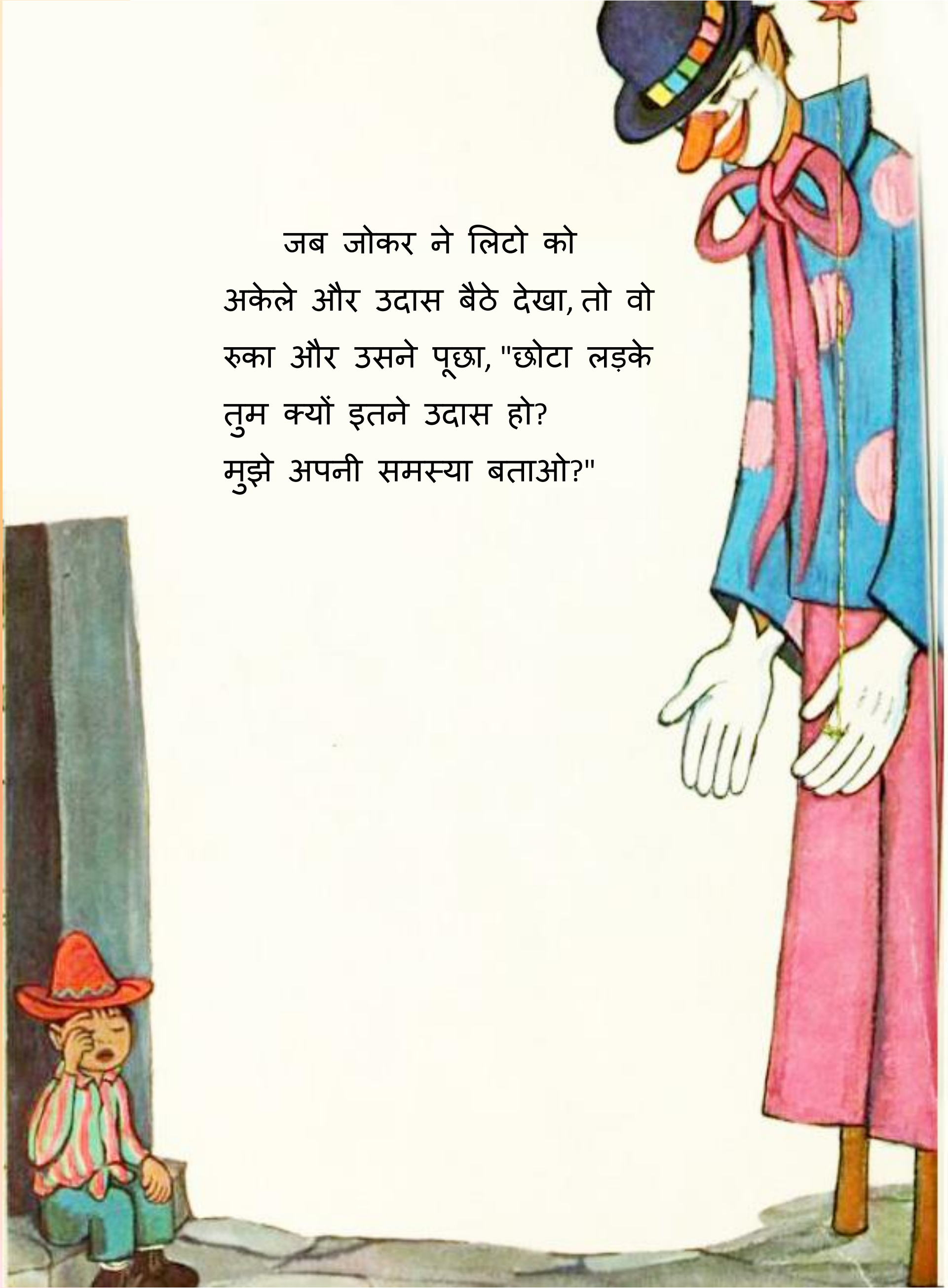
पायको जहां भी जाता वहां संगीत बजता था. उसके कोट की जेब में एक संगीत का बक्सा छिपा था. किसी को यह समझ में नहीं आया कि संगीत कहाँ से आ रहा था इसलिए वो संगीत लोगों को जादुई लगता था.

जोकर को देखकर और संगीत सुनकर बच्चे दौड़े-दौड़े आए.

"पायाको! पायको!" वे चिल्लाए.

हर कोई खुश था क्योंकि मेला उनके शहर में आया था - लिटो को छोड़कर हर कोई. पर लिटो जोकर या मेले को नहीं देखना चाहता था. वो केवल अपने खोए हुए बिल्ली के बच्चे के बारे में ही सोच रहा था.


EL CINE



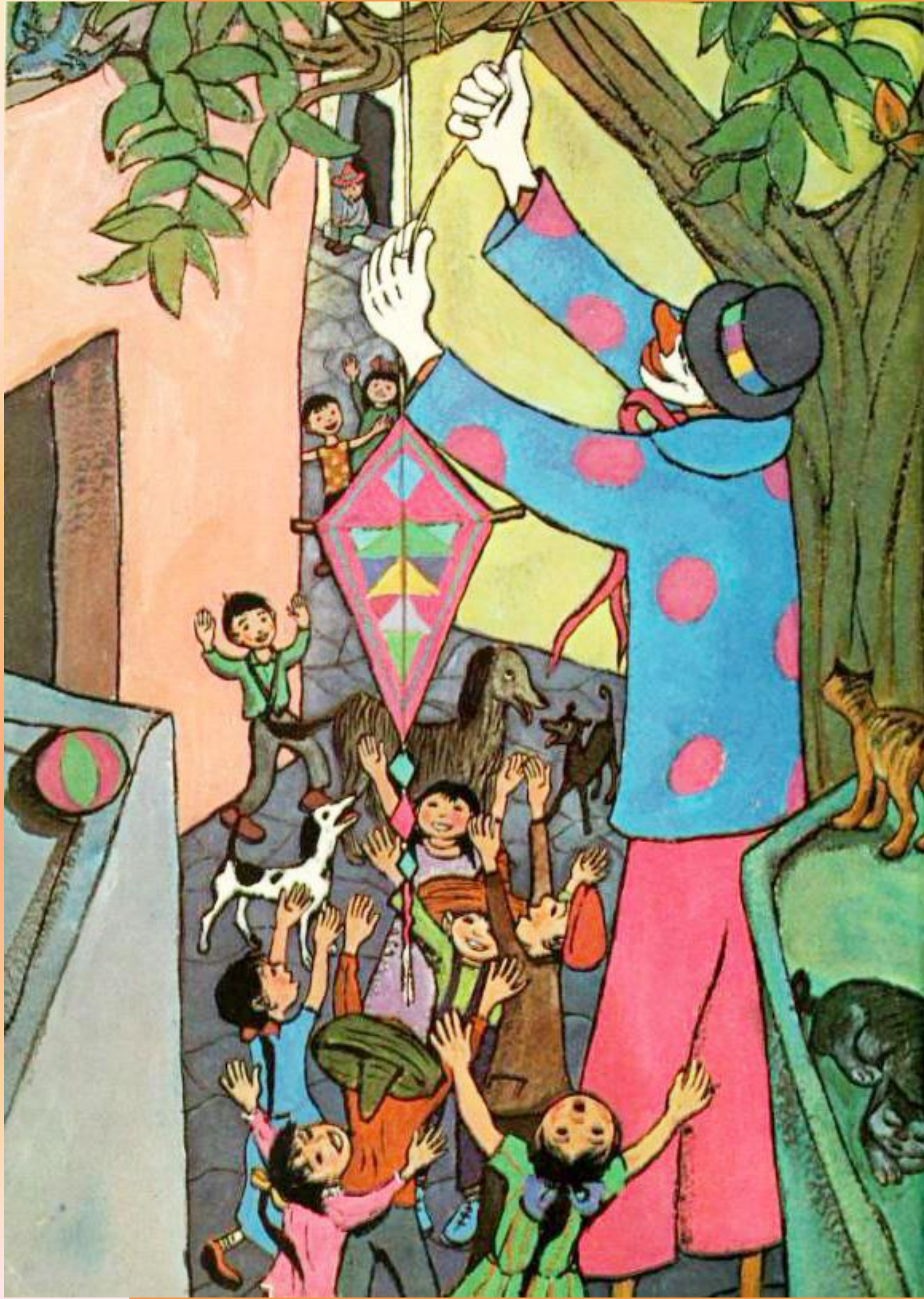
जब जोकर ने लिटो को अकेले और उदास बैठे देखा, तो वो रुका और उसने पूछा, "छोटा लड़के तुम क्यों इतने उदास हो?
मुझे अपनी समस्या बताओ?"

आँखों में आँसू के साथ, लिटो ने जोकर को वो सब कुछ बताया जो उसके साथ हुआ था. "चिंता मत करो, छोटे लड़के," पायको ने कहा. "मैं पूरे मेक्सिको में सबसे लंबा जोकर हूं. अपने ऊंचे बांसों पर खड़ा होकर मैं सब कुछ देख सकता हूं. मैं बिल्ली के बच्चे को खोजने में तुम्हारी ज़रूर मदद करूंगा."

फिर से जोकर सड़क पर चल दिया और सभी बच्चे उसके पीछे हो लिए.

चलते-चलते पायाको पेड़ों में फंसी बच्चों की पतंगों को उतारता और उन्हें बच्चों को देता था. जोकर ने छतों पर पड़ी गेंदों को नीचे बच्चों के पास फेंका. "बहुत धन्यवाद, पायको!" बच्चे चिल्लाए.

पायको ने अपने रास्ते में कई बड़े कुत्ते और बिल्लियाँ दिखाई दिए, लेकिन उसे लिटो का बिल्ली का बच्चा नहीं दिखा.



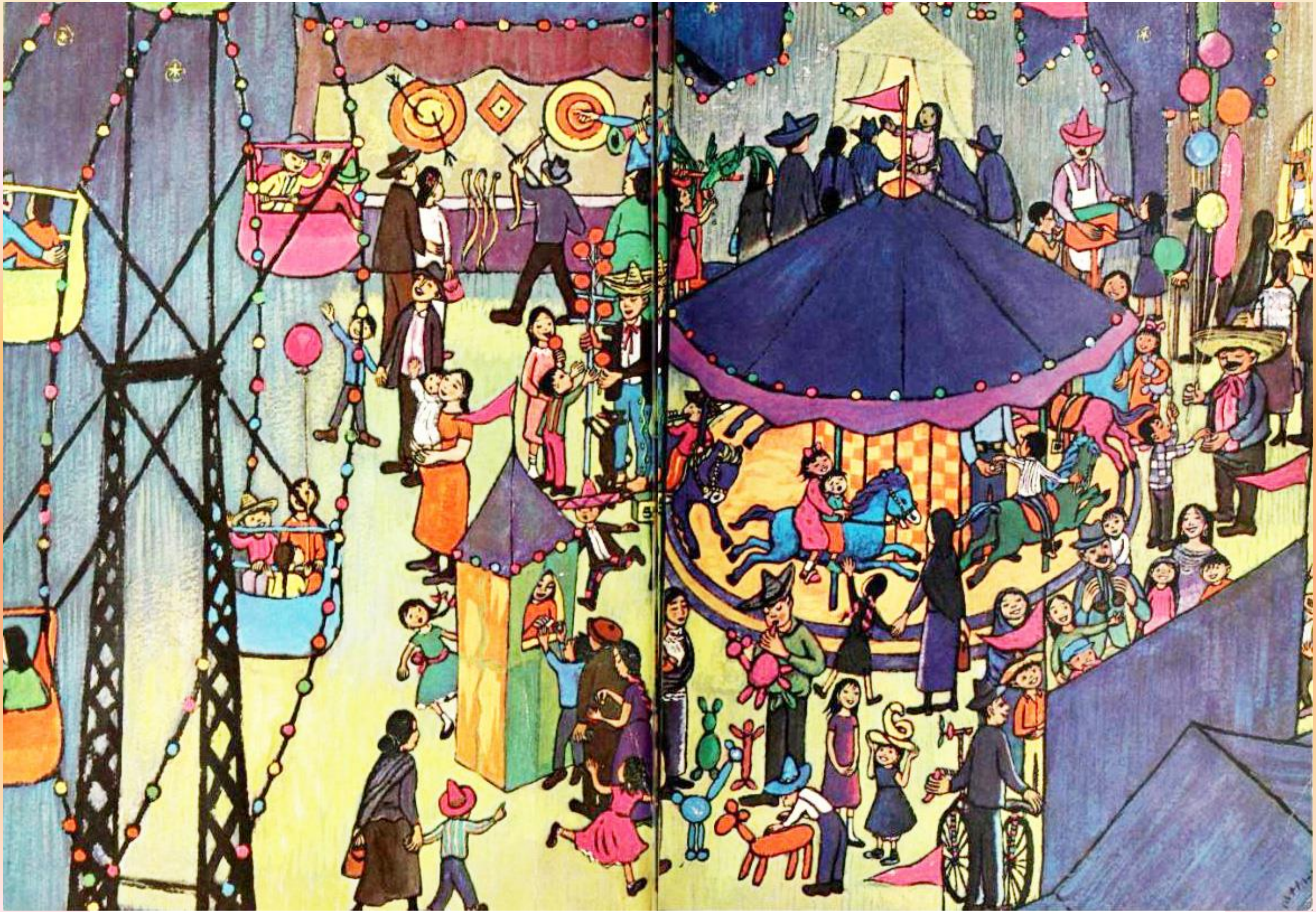
लिटो उदास और दुखी था. उस शाम माँ ने उसे खुश करने के लिए कार्निवाल यानि मेले में ले जाने का फैसला किया.

मेले का मैदान रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा रहा था. मैदान के बीच में ज़ोरदार संगीत बज रहा था.

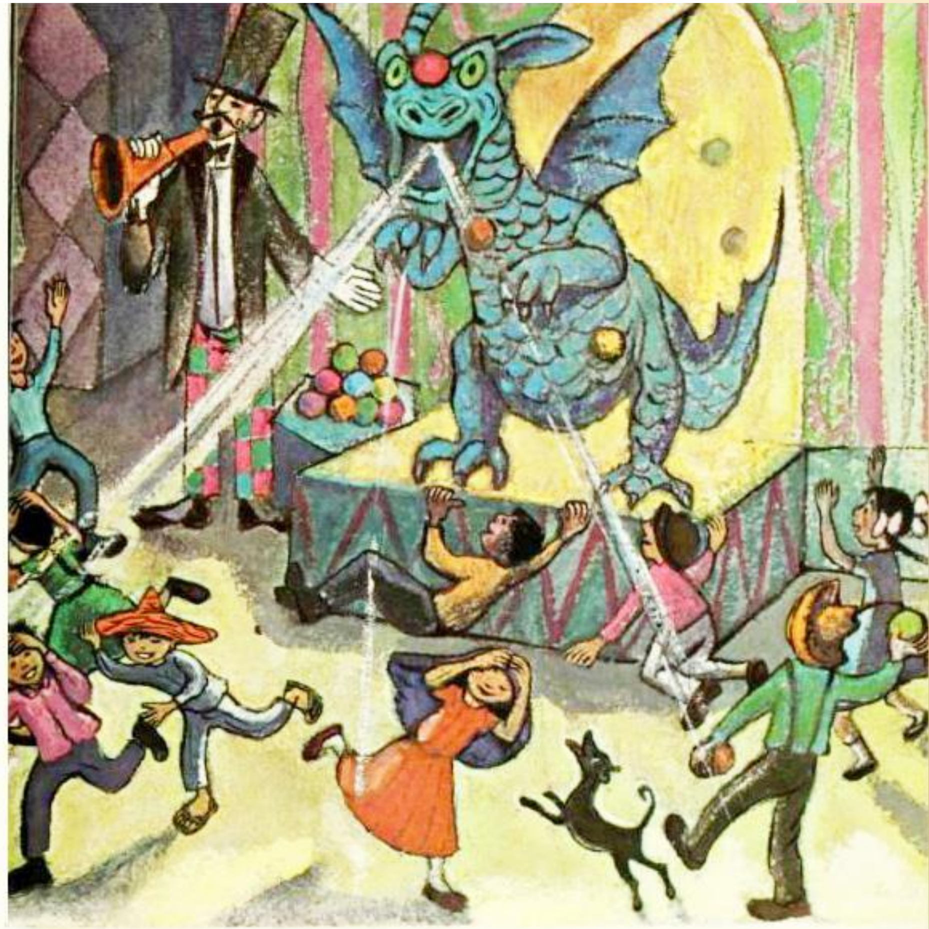
तम्बुओं और बूथों पर तरह-तरह के खेल और शो हो रहे थे. हर तरफ हंसी का माहौल था. दुकानदार अपना माल बेचने के लिए ज़ोर-ज़ोर से चिल्ला रहे थे. कोई ठंडा पेय, और कोई खाने की चीज़े बेच रहा था.

एक फेरीवाला गुब्बारे बेच रहा था. उसके गुब्बारे कई अद्भुत जानवरों के आकार के थे.

एक तंबू में दो बड़े हरे तोतों का शो था. तोते कविता पाठ कर रहे थे और गीत गा रहे थे. तोतों को रात को सोने से पहले की प्रार्थना भी मुंहज़ुबानी याद थी.

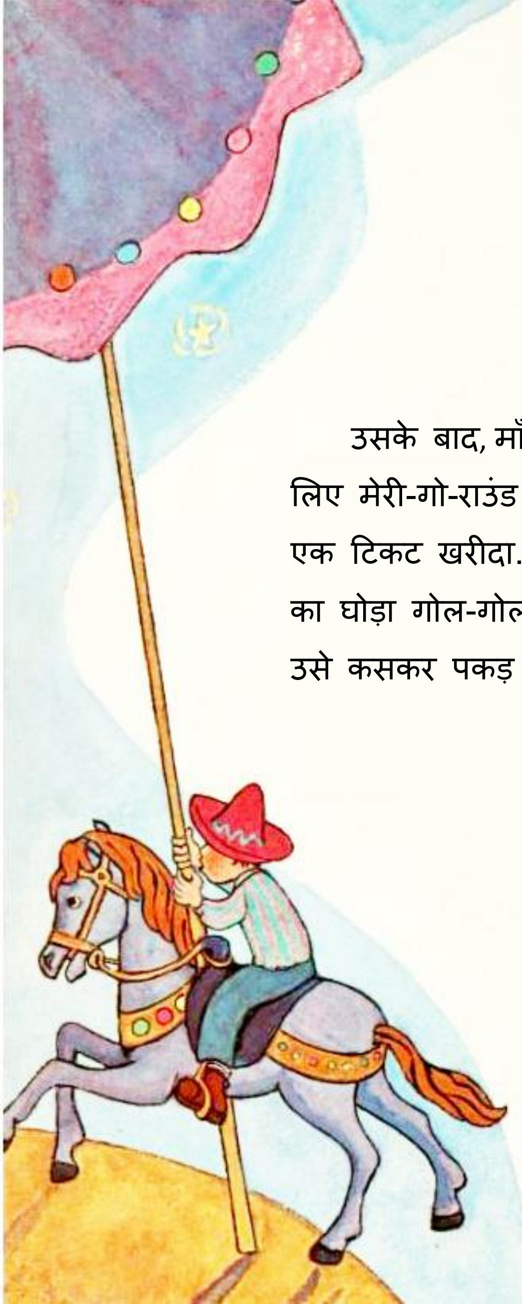


एक बूथ जो बहुत लोकप्रिय था उसमें एक सोया हुआ राक्षस था. वो एक नकली राक्षस था जिसके माथे के बीचोंबीच में एक लाल निशान था. लोगों को उस निशान पर गेंदे से निशाना लगाना था. गेंद टकराने के बाद राक्षस अपनी आँखें खोलता था जो क्रोध से एकदम हरी थीं. फिर उसके मुख से चारों दिशाओं में पानी की बौछारे निकलती थीं.





बच्चे पानी को चकमा देते हुए भागते थे और जमीन पर गिर पड़ते थे. लिटो के साथ भी वही हुआ.



उसके बाद, माँ ने लिटो के लिए मेरी-गो-राउंड की सवारी का एक टिकट खरीदा. जैसे ही लकड़ी का घोड़ा गोल-गोल घूमा, लिटो ने उसे कसकर पकड़ लिया.

दूसरे टेंट के सामने एक बड़ा कठपुतली का शो था.

कुछ कठपुतलियाँ गाती और नाच रही थीं; दूसरी कठपुतलियाँ मज़ेदार कहानियाँ सुना रही थीं. कुछ कठपुतलियाँ बुलफाइट भी कर रही थीं.

जैसे ही मां और लिटो शो देखने बैठे, एक भूरे रंग की बिल्ली का बच्चा अचानक मंच के पार दौड़ा. एक कुत्ता उसका पीछा कर रहा था. वो पाक्विता, लिटो का बिल्ली का बच्चा था!

मंच पर कुत्ता भ्रम में पड़ गया. कुत्ता, बिल्ली के बच्चे के बजाय कठपुतलियों का पीछा करने लगा.

इससे पहले कि दर्शक कुछ समझ पाते कुत्ते और कठपुतलियों के बीच एक बड़ी लड़ाई शुरू हो गई. बुलफाइटर कठपुतली, कुत्ते से ऐसे लड़ी मानो वो किसी बैल से लड़ रही हो.

बैल ने कुत्ते को पीछे से सींग मार दिया. एक कठपुतली कुत्ते की पीठ पर कूद गई और पूरे मंच पर दौड़ने लगी. दर्शक ठहाका लगाकर हंस पड़े. उन्हें वो अब तक का सबसे मजेदार शो लगा था.





लेकिन लिटो को हंसी नहीं आई. वो अपने पालतू बिल्ली पक्विता के बारे में चिंतित था और माँ के साथ उसकी तलाश में निकला.

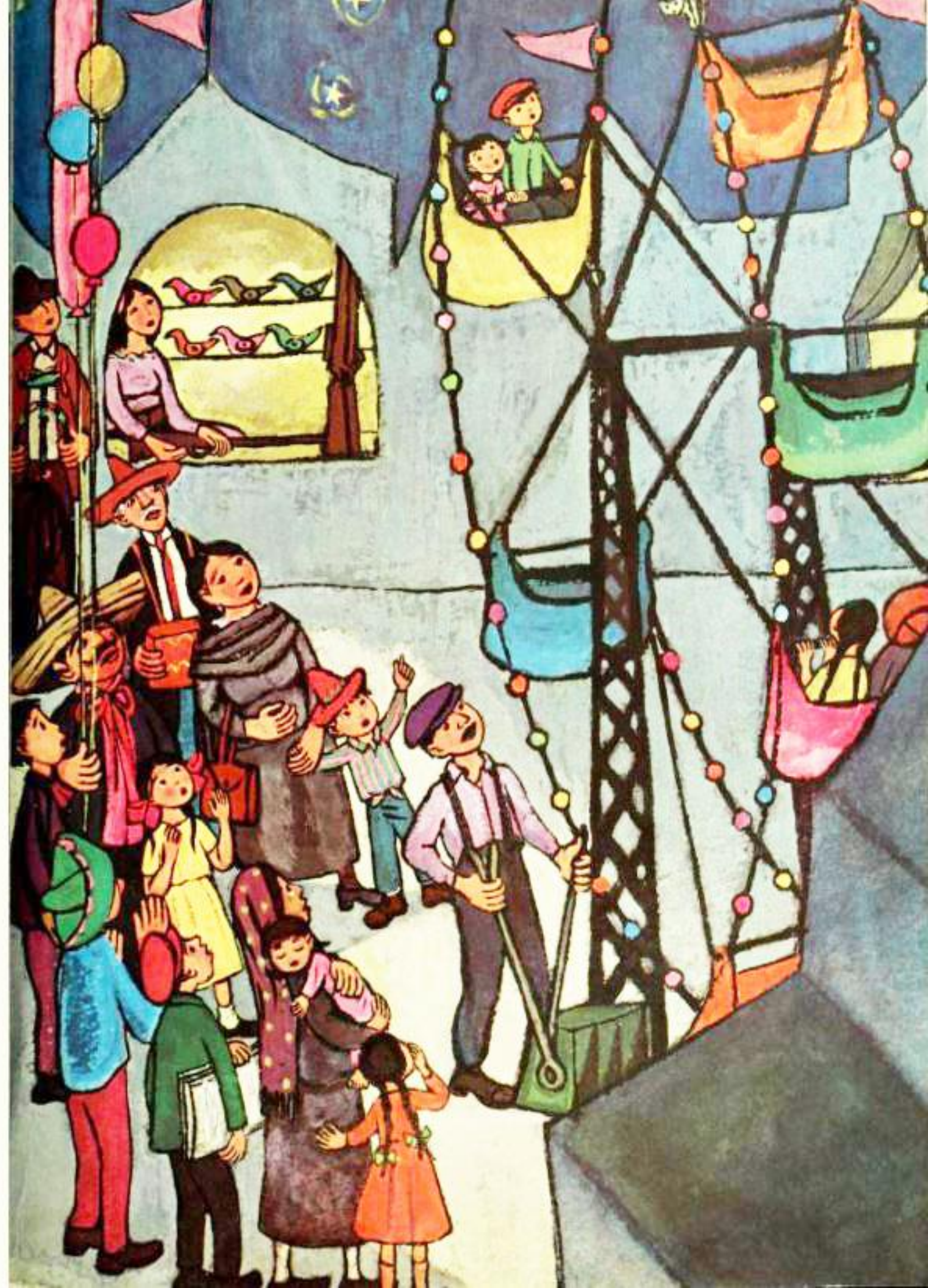
उन्होंने हर जगह देखा. अंत में, उन्होंने पक्विता को देखा. वो फेरिस व्हील पर ऊपर फंसी हुई थी.

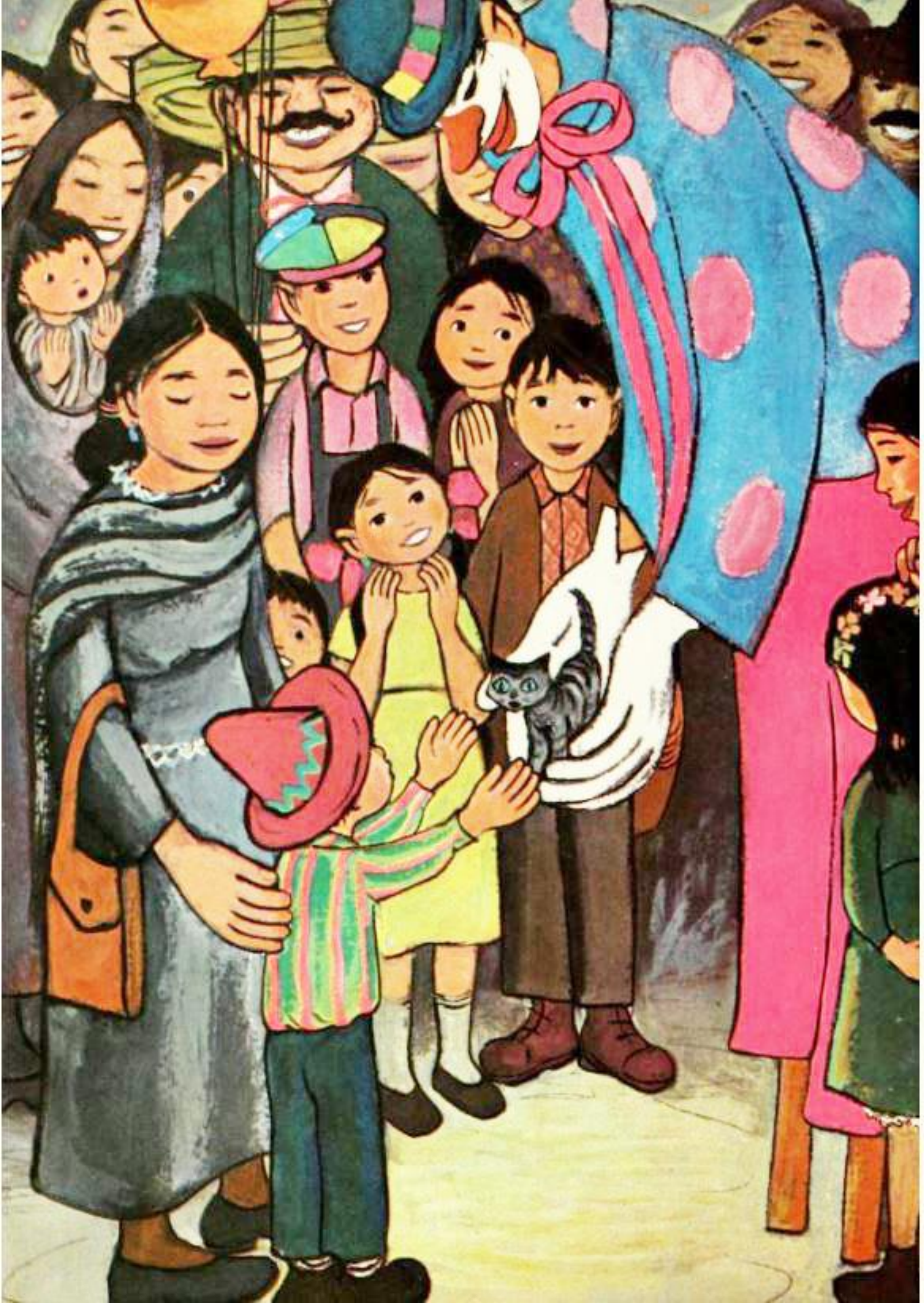
ऑपरेटर ने फेरिस व्हील को इस डर से रोक दिया था कि कहीं बिल्ली का बच्चा और अधिक भयभीत होकर नीचे गिर न पड़े. धीरे-धीरे नीचे भीड़ जुटने लगी.

"एक मामूली सी छोटी बात है!" कोई चिल्लाया.

हर कोई मदद करना चाहता था लेकिन बिल्ली का बच्चा लोगों की पहुंच से बाहर था. कोई भी बिल्ली को सुरक्षित नीचे उतारने का उपाय नहीं सोच पा रहा था.







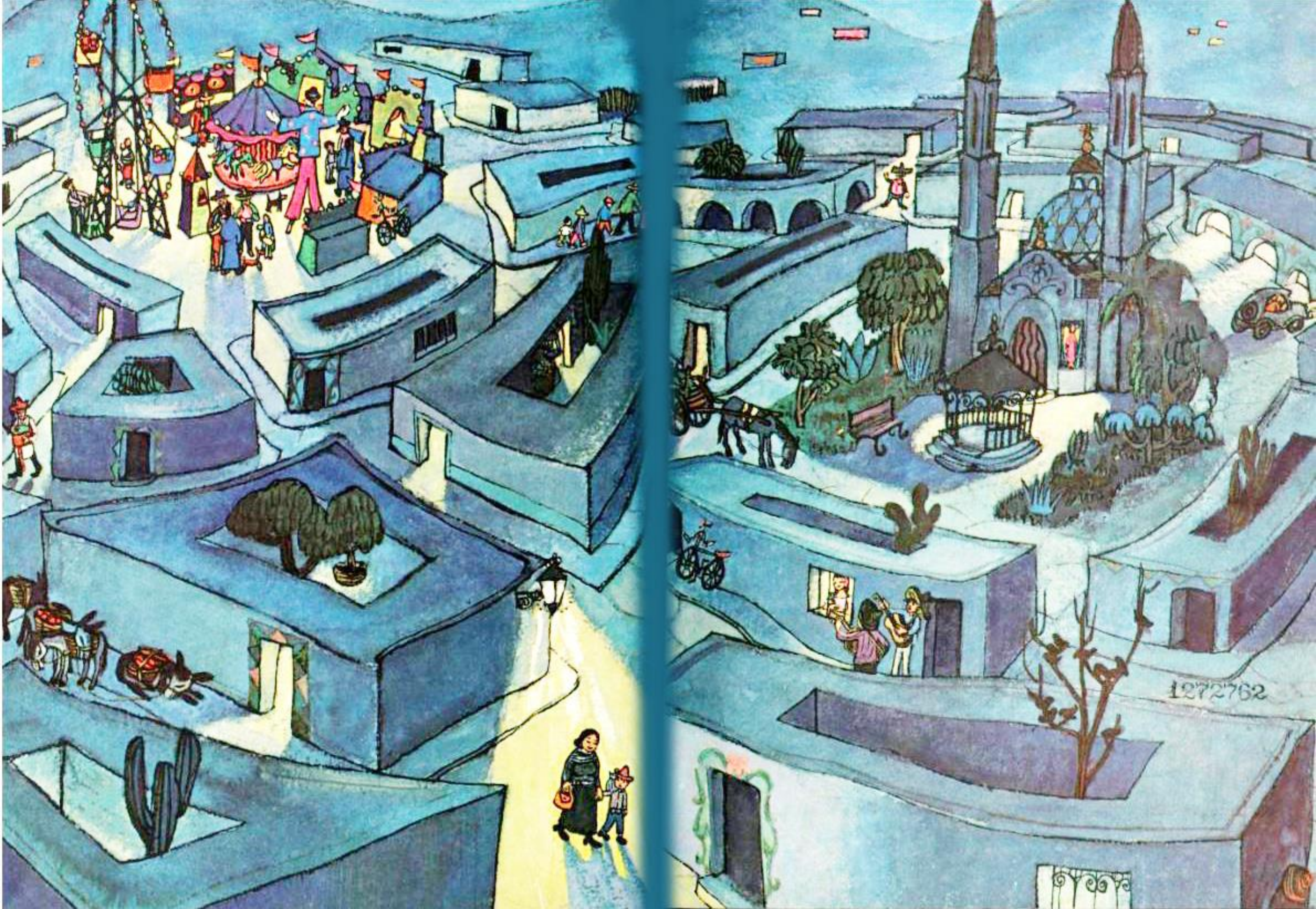
फिर पायको आया. उसने अपने लम्बे शरीर को ऊंचा उठाया और फिर बहुत ऊपर पहुँच गया. सब लोग चुप खड़े थे. पायको की बाहें ऊपर-नीचे हो रही थीं. अंत में, उसके हाथों में बिल्ली का बच्चा था. भीड़ ज़ोर से चिल्लाई और सबने ताली बजाई.

पायको ने बिल्ली का बच्चा लिटो को लौटा दिया. "शुक्रिया पायको," लिटो फुसफुसाया.

पायको ने कहा, "वो आवारा कुत्ता बहुत परेशानी पैदा कर रहा है. उसके बारे में हमें कुछ करना चाहिए."

पायको ने सोचा और सोचा. फिर उसके दिमाग में एक उपाय आया. कठपुतली शो में दर्शकों ने, कुत्तों को कठपुतलियों से लड़ते हुए देखने का बेहद आनंद लिया था. अब पायको कुत्ते को मेले के साथ रखेगा और उसे कठपुतली शो का एक हिस्सा बनाएगा.

लिटो को वो एक अच्छा विचार लगा. तब कुत्ते का एक स्थायी घर होगा. और फिर वो पक्विता को डराने की कोशिश नहीं करेगा.



उस शाम जब वे घर लौट रहे थे तो माँ ने लिटो का हाथ पकड़ा था. पाक्विता पूरे रास्ते लिटो के कंधे पर ही बैठी रही.

पाक्विता ने अपना गाल को लिटो के गाल रगड़ा और थपकी दी. उसने थपकी दी क्योंकि वो लिटो के साथ रहकर बहुत खुश थी. और लिटो अपना बिल्ली का बच्चा पाकर बेहद खुश था.

घर पर लिटो अभी भी मेले का ज़ोरदार संगीत सुन सकता था. दूर ही उसे जगमगाता मेला दिखाई दे रहा था. पायको मैदान के चारों ओर घूम रहा था.

लिटो ने हाथ हिलाया और वो चिल्लाया, "पायाको! शुभ रात्रि, पायको!"



समाप्त